भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3797 का उत्तर

वर्तमान रेल परियोजनाओं की स्थिति

3797. श्री दीपक अधिकारी (देव):

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल राज्य में वर्तमान में चल रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) दिनांक 31.10.2024 की स्थिति के अनुसार वर्तमान परियोजनाओं की नवीनतम स्थिति क्या है; और

(ग) रेल बजट 2004 से 2009 की अवधि के दौरान चल रही परियोजनाओं में से परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं की स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, न कि राज्य-वार/जिला/निर्वाचन-क्षेत्र-वार क्योंकि रेल की परियोजनाएं राज्य/जिला/निर्वाचन-क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 4479 किलोमीटर कुल लंबाई तथा 60,168 करोड़ रुपए लागत वाली 43 परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) हैं जिनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जो योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिसमें से 1655 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 20,434 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि .मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	13	1087	322	9774
आमान परिवर्तन	4	1201	854	3663
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2192	479	6997
कुल	43	4479	1655	20434

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹4,380 करोड़/वर्ष
2024-25	₹13,941 करोड़ (3 गुना से अधिक)

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण रुका हुआ है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है:

पश्चिम बंगाल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	3040 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	640 हेक्टेयर (21%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	2400 हेक्टेयर (79%)

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है-:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	नबद्वीप घाट-नबद्वीप धाम नई लाइन (10 किलोमीटर)	106.86	0.17	106.69
2	चंदनेश्वर-जलेश्वर नई लाइन (41 किलोमीटर)	158	0	158
3	नैहाटी-राणाघाट-तीसरी लाइन (36 किलोमीटर)	87.83	0.09	87.74
4	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 किलोमीटर)	156.38	67.38	88.00
5	सैंथिया (5 किलोमीटर) और सीतारामपुर (7 किलोमीटर) पर बाईपास	22.28	2.22	20.06

किसी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा अपना हिस्सा जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, अतिलंघन जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष के दौरान कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*****